Prof. Khushbu kumari
Guest Teacher
Dept. of Political science,
V.S.J. college, Rajnagar, Madhubani (Lnmu)

Class - B.A - I (H)
Paper - I

Topic — राज्य के कार्य (समाजवाद)

Lecture - 2

सांस्कृतिक, सामाजिक तथा नैतिक कार्य — राज्य के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक कार्य निम्न हैं —

(i) हर व्यक्ति को मुफ्त तथा वैज्ञानिक शिक्षा।
(ii) जाति पर आधारित भेदभाव को खत्म करना।
(iii) व्यक्तिवादी स्वार्थी विचारों को सामाजिक विचारों से बदलते हुए, व्यक्ति तथा समाज की दूरी को खत्म करना।

अन्तर्राष्ट्रीय कार्य — इसके अन्तर्गत निम्न कार्य हैं —

(i) एक समाजवादी राज्य विश्व के उन तमाम देशों की जनता की मदद करता है जो जुल्म तथा अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं।
(ii) समाजवादी राज्य, दूसरे देश के क्रांतिकारियों को अपने राज्य में शरण लेने का अधिकार देते हैं।
(iii) समाजवादी राज्यों का दृष्टिकोण सदैव युद्ध के तथा साम्राज्यवाद के खिलाफ रहता है।
(iv) वे सारी दुनिया के मजदूरों की क्रांतिकारी लड़ाई को मदद पहुँचाते हैं तथा मजदूर वर्ग का अन्तर्राष्ट्रीयवाद स्थापित करने में योगदान करते हैं।

वर्ग को खत्म करने की स्थिति तैयार करना।

Scanned with CamScanner

समाजवादी राज्य का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है वर्गों के खात्मे तथा आर्थिक, सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक व्यवस्था के सामूहिक आधार पर स्थापित होने के बाद, वर्ग विहीन साम्यवादी समाज की स्थापना के बाद, खुद को खत्म करने की स्थिति तैयार करना। यदि राज्य वर्गों के साथ पैदा हुआ वर्गयंत्र है तो फिर वर्गविहीन समाज में साम्यवादी राज्य एक अस्थायी चीज है, पूंजीवाद से साम्यवादी समाज की स्थापना के मार्ग में, साम्यवादी समाज की स्थापना के बाद राज्य का विलोप हो जाएगा यानि राज्य स्वयं ही लुप्त हो जाएगा, क्योंकि इसकी आवश्यकता नहीं रहेगी।

समाजवाद का समर्थन

समाजवाद का समर्थन प्रमुख रूप से निम्नलिखित आधारों पर किया जाता है:-

(1) व्यक्तिवादी विकृतियों का निवारण — व्यक्तिवादी व्यवस्था में पूंजीपति द्वारा लाभ को दृष्टि में रखते हुए ही समूर्ण औद्योगिक व्यवस्था का संचालन किया जाता है। लाभ का बहुत बड़ा भाग पूंजीपति द्वारा अपने पास रख लिया जाता है और श्रमिक को कम-से-कम वेतन दिया जाता है। इसव्यवस्था की बुराइयों को दूर करने का एक ही उपाय है कि उत्पादन के साधनों पर सामूहिक स्वामित्व स्थापित किया जाय और समाजवाद इसी बात का प्रतिपादन करता है।

(2) समाजवादी व्यवस्था न्याय पर आधारित है —

Scanned with CamScanner

न्याय तभी स्थापित हो सकता है जब भूमि तथा उत्पत्ति के अन्य प्राकृतिक साधनों पर किसी एक वर्ग का आधिपत्य न होकर पूरे समाज का नियंत्रण होना चाहिए और इन साधनों का उपयोग सभी व्यक्तियों के हित को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। समाजवादी अवस्था भी इसी विचारधारा पर आधारित है।

(3) मार्क्सवाद आन्तरिक क्षेत्र में वर्ग-संघर्ष को तथा बाहरी क्षेत्र में युद्ध को जन्म देता है लेकिन समाजवाद दोनों ही क्षेत्रों में संघर्ष के स्थान पर सहयोग के सिद्धान्त को महत्व देता है।

Khushboo Kumari
17th July 2020

Scanned with CamScanner